
Shri Nimbadrilakshminrisimha Stotram

श्रीनिम्ब्याद्रीलक्ष्मीनृसिंहस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Shri Nimbadrilakshminrisimha Stotram

File name : nimbAdrIlakShmInRRisiMhastotram.itx

Category : vishhnu, dashAvatAra, lakShmI, stotra

Location : doc_vishhnu

Proofread by : M K Barman

Description/comments : nRRisiMhakosha 2 upAsanA khaNDa

Latest update : August 4, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 4, 2025

sanskritdocuments.org

Shri Nimbadrilakshminrisimha Stotram

श्रीनिम्बाद्रीलक्ष्मीनृसिंहस्तोत्रम्



रमणीयरमास्तनमाण्डलसङ्गतगन्धसुगन्धित सिंहस्तनो ।
करुणारुणार्दीर्घद्वय उरे विजयी भव निम्बागिरीन्द्रपते ॥ १ ॥

उर पङ्कजजम् सुरेन्द्र मडाविबुधाधिपसेवित देवमणो ।
नतभक्तमनस्तिमिरधुमणो परिपालय निम्बागिरीश उरे ॥ २ ॥

मतिडीनतया वनितावदनस्तनलोभकृतैस्मरमोडशरैः ।
विवशं नृपशुं नरसिंह विभो कुरु मां तव पादसरोजवशम् ॥ ३ ॥

वर निम्बागिरीन्द्र दरीविडरत्सुरसिंह नृसिंह दयाजलधे ।
निगमान्तनिबोधित कीर्तियुतान्नरसिंह विधेर्न पयं कलये ॥ ४ ॥

नभदंष्ट्रसुशोभित केसरभूल्ललितोरु सुकुल्लमुभाञ्ज उरे ।
नतर क्षणक्ष विवाशान्मां परिपालय निम्बागिरीन्द्रपते ॥ ५ ॥

सुरवैरिविनाशक कोपवशात् कृतगर्जननिर्जित दैत्यगणाम् ।
सङ्कलीकृत सर्वजगन्नितयं नरसिंह मडामनसा कलये ॥ ६ ॥

वरदं नतभक्तमनोवशगं कमलापतिमम्बुध नीलतनुम् ।
धनदं य दयाकृतसिंहतनुं न कदापि धुनोमि इडा नृहरिम् ॥ ७ ॥

भुजशाभमभीष्टकलप्रकरं धनशङ्भसुदर्शनपुष्पधरम् ।
कमलालतिकावृतकल्पतरुं नरसिंहं मडामनसा कलये ॥ ८ ॥

हरिं निम्बशैवेशमीशं विना मे गतिर्नैव गम्यं य नैवास्ति लोके ।
ततस्तत्पदाम्बोजयुगं भजेऽहं श्रियं नारसिंहः स्वयं मे ददातु ॥ ९ ॥

शरधैकवारं हि निम्बाद्रिनाथं श्रियाश्रिष्टरुपं गुडामन्दिरस्थम् ।
सुधासेवते यः समग्राब्दपुण्यं ददात्यैव निम्बाद्रिलक्ष्मीनृसिंहः ॥ १० ॥

मडापराधयुक्तेन मया स्तोत्रं कृतं उरे ।
क्षमस्व शाब्दिकान् दोषान् निम्बशैलदरीमणो ॥ ११ ॥

एति श्रीनिम्बार्द्रीलक्ष्मीनृसिंहस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by M K Barman

——
Shri Nimbadrilakshminrisintha Stotram

pdf was typeset on August 4, 2025

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

